महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि तकनीकीअनुप्रयोगअनुसंधान संस्थान कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

समाचार – पत्रिका

अंक-06 | **जून, 2021**

प्रो. उदय प्रताप सिंह

उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति

गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान

गोरखनाथ, गोरखपुर

संदेश

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकीयों को निरंतर कृषकों तक पहँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र
एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा मई, 2021 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	प्रशिक्षण की सं.	लाभार्थी संख्या
क) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण	04	86

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे०	लाभार्थी संख्या
क) धान की प्रजाति- संभा सब-1	10	25
ख) धान की प्रजाति- पूसा सुगंध-5 एवं पूसा 1850	03.20	20
ग) हरे चारे के रूप में सोरघम (UPMC 503 Multi cut)	04	30
घ) धान की प्रजाति- डी.आर.आर.- 50	50	300

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
क) वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	17	32
ख) कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	82	82
ग) फोन पर सलाह	91	86
घ) समाचार पत्र में प्रकाशन	16	सामूहिक
ङ) अन्य कार्यक्रम	-	-

5. कृषक चयन

गतिविधियाँ	शीर्षक	क्षेत्रफल हे०	लाभार्थी
क) **अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन**	भिन्डी की प्रजाति- ए-5	01	20
	गोभी की प्रजाति- पूसा मेघना	0.40	10
	गोभी की प्रजाति- पूसा अश्विन	0.50	10
	लोबिया की प्रजाति- पूसा सुकोमल	0.080	05
	स्पांज गार्ड की प्रजाति- पूसा स्नेहा	0.20	05

प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ केंद्र के सस्य विज्ञान विशेषज्ञ, श्री अवनीश कुमार सिंह द्वारा दिनांक 04/06/2021 को धान की उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे 21 कृषको ने प्रतिभाग किया। केंद्र वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस.के. सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ , डॉ विवेक प्रताप सिंह, उद्यान विशेषज्ञ, डॉ अजीत कुमार श्रीवास्तव ने कृषको को सम-सामायिक विषय पर जानकारी दिया गया।

❖ केंद्र के प्रसार विशे।ज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा दिनांक 14/06/2021 को धर्मपुर गाँव के पंचायत भवन पर "स्वदेसी तकनीकी ज्ञान के प्रयोग एवं महत्व" विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया, जिसमे कुल 20 किसानों ने प्रतिभाग किया।

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव एवं मृदा विशेषज्ञ श्री संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा दिनांक-25/06/2021 को किसानो को "आय सवर्धन हेतु केला फसल के साथ सब्जियों की सहफसली खेती" विषय पर कैम्पियरगंज ब्लाक के ग्राम लोहरपुरवा पंचायत भवन पर प्रशिक्षण दिया गया। इसी के साथ ही साथ कृषक उत्पादन सगठन एवं मृदा जाच आदि पर आवश्यक जानकारी दी गयी।

प्रक्षेत्र भ्रमण

❖ केंद्र के प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा दिनांक 06/06/2021 को रानाडीह एवं सांखी गाँव में आयोजित होने वाले प्रक्षेत्र परीक्षण हेतु खेत पर भ्रमण किया गया।

❖ केंद्र के प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस.के. सिंह द्वारा IARI-CATAT, नई दिल्ली के विवो पार्टनर्स प्रदर्शन योजनांतर्गत दिनांक 05/06/2021 को जंगल कौड़िया विकास खण्ड के बलुआ, मटियारी, मीरपुर इत्यादि गाँव का भ्रमण कर किसानो का चयन किया गया।

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिनांक- 07/06/2021 को विकास खण्ड जंगल कोडिया के गाँव बनकटवा पीपीगंज के किसानो के प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया गया। इसी के साथ ही साथ खेत पर लगी पपीता फसल का आकलन किया गया जो बीज शुद्ध न होने के कारण रोग ग्रासित हो गयी थी। फसल उत्पादन सम्बन्धी जानकारी उन्हें दिया गया।

❖ केंद्र के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. विवेक प्रताप सिंह, सस्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री अवनीश कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा सुरस, कैम्पियरगंज में कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण कर समेकित कृषि प्रणाली के अंतर्गत मछली पालन, डेरी, वर्मी कम्पोस्ट, मधुमक्खी पालन, फसल एवं बागवानी पर सलाहकारी एवं निदानकारी सेवाए प्रदान की गयी।

❖ केंद्र के मृदा विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा दिनांक-19/06/2021 को मशरूम उत्पादक कृषकों के यहाँ भ्रमण किया गया। जिसमे किसानो द्वारा बनायी गयी बटन मशरूम की खाद का निरीक्षण कर उसके उचित प्रकार से रख-रखाव की जानकारी दी तथा अनुकूल समय पर स्पान प्राप्त कर बिजाई करने की सलाह दी।

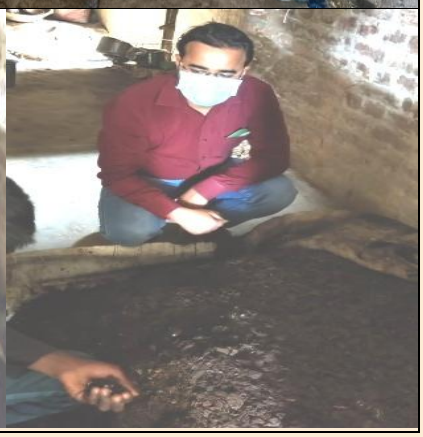

बीज वितरण

केंद्र के सस्य विज्ञान विशेषज्ञ, श्री अवनीश कुमार सिंह द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस.के. सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ, डॉ विवेक प्रताप सिंह, उद्यान विशेषज्ञ, डॉ अजीत कुमार श्रीवास्तव इत्यादि की उपस्थिति में दिनांक 04/06/2021 को अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत 25 कृषको के प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन हेतु धान की उन्नतशील प्रजाति संभा सब-1 का बीज वितरित किया गया।

केंद्र के प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस.के. सिंह की उपस्थिति में दिनांक 07/06/2021 को IARI-CATAT, नई दिल्ली के विवो पार्टनर्स योजनांतर्गत प्रदर्शन हेतु धान की प्रजाति- पूसा सुगंध-5 एवं पूसा 1850 के बीज कुल 20 किसानों को वितरित किया गया।

महत्वपूर्ण बैठक

केंद्र के प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. वी.पी. सिंह एवं सस्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री अवनीश कुमार सिंह द्वारा दिनांक 11/06/2021 को कैम्पियरगंज के विकास खंड अधिकारी से बैठक कर ब्लॉक के समस्त ग्राम पंचायतों से मोबाइल उपयोगकर्ता 15 किसानों की सूचि इकठ्ठा करने की योजना पर वार्ता हुआ।	
भारतीय स्टेट बैंक, सिहोरवा के शाखा प्रबंधक द्वारा फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के चालू खाता खोलने में आनाकानी को लेकर दिनांक 17/06/2021 केंद्र के प्रसार विशेषज्ञ डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा राप्ती फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, मीरपुर के निदेशक मंडल के सदस्यों के साथ भारतीय स्टेट बैंक, सिहोरवा का भ्रमण कर कंपनी का चालू खाता खोलने के लिए शाखा प्रबंधक से वार्ता हुआ।	

Article

1. VP Singh, Brij Vikas Singh, RK Singh and AK Singh, Mastitis: A most significant diseases of dairy animals, Agriblossom, 2021. 1 (11) 3-6.
2. Vivek Pratap Singh, Avanish Kumar Singh, Rahul Kumar Singh and Brij Vikash Singh and R.P. Singh, Backyard poultry Farming: A way to empower India's rural people. Agriblossom, 2021. 1 (11) 22-29.
3. R.K. Singh, R.P. Singh, A.K. Singh and V.P. Singh, Beekeeping: A Successful Medium of Doubling the Farmer's Income, Agriblossom, 2021. 1 (11) 17-18.
4. R.K. Singh, A.K. Singh, R.P. Singh and V.P. Singh, Surabhi Beej Producer Company: A way toward success with group approach, Agriblossom, 2021. 1 (11) 48-50.
5. Brij Vikash Singh, Rashmee Yadav, Vivek Pratap Singh and D P Srivastava, Management Practices are Need of Rural Women involved in Animal Husbandry Activities in Auraiya District of Uttar Pradesh, Journal of Krishi Vigyan. 2020, 9 (2): 129-133.

जुलाई माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन

धान :-

❖ धान की रोपाई इस माह समाप्त कर लें. रोपाई के लिए २०-३० दिन पुरानी पौध प्रयोग करें तथा बुवाई लाइनों में करें।

मूंगफली :-

❖ बुवाई माह के मध्य तक पूरी कर लें. औसतन प्रति हैक्टेयर ८०-१००किलो बीज की आवश्यकता पड़ती है।

अरहर :-

❖ अरहर की उन्नत किस्मों तथा नरेन्द्र अरहर 2, IPA 203 की बुवाई करें। अरहर के लिए बीजदर 12-15 किग्रा. / हैक्टेयर रखें।

मृदा विज्ञान

- ❖ भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा ले तथा भूमि में उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करे।
- ❖ धान में यदि हरी खाद का प्रयोग करना हो तो रोपाई के तीन दिन पूर्व ही उसे मिटटी पलटने वाले हल से पलटकर, सड़ने के लिए खेत में पानी भर दें।
- ❖ धान की रोपाई से पूर्व 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से जिंक सल्फेट खेत में मिला दें, परन्तु ध्यान रहे कि फॉस्फोरस वाले उर्वरक के साथ जिंक सल्फेट कभी न मिलायें।
- ❖ कद्दूवर्गीय सब्जियों में बोवाई के लगभग 25-30 दिन बाद पौधों के बढवार के समय प्रति हेक्टेयर 15-20 किग्रा नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करें।

मौनपालन

- ❖ प्रक्षेत्र का चयन कर ,मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें।
- ❖ मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।
- ❖ माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।
- ❖ अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।
- ❖ गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए।

पशुपालन

- ❖ गलाघोंटू तथा लंगड़िया बुखार का टीका जिन पशुओं को नहीं लगा है उन्हें लगवायें।
- ❖ पशुओं को अन्तः कृमि की दवा दें।
- ❖ वर्षा ऋतु में पशुओं के रहने की उचित व्यवस्था करें।
- ❖ ब्रायलर पालन करें, आर्थिक आय बढ़ायें।
- ❖ पशु दुहान के समय खाने को चारा डाल दें।
- ❖ पशुओं को खनिज लवण का सेवन करायें।
- ❖ कृत्रिम गर्भाधान अपनायें।
- ❖ खान-पान में शुध्दता का विशेष ध्यान रखें।

सब्जी उत्पादन

- ❖ बैगन, मिर्च, अगेती फूलगोभी की रोपाई का समय है।
- ❖ जाड़े के टमाटर की फसल के लिए बीज की बोआई पौधशाला में कर सकते है। इसके लिए मुक्ति परागित किस्मों के लिए 350-400 ग्राम तथा संकर किस्मों के 200-250 ग्राम बीज की आवशयकता होगी।
- ❖ खरीफ की प्याज के लिए पोधशाला में बीज की ब़ोआई 10 जुलाई तक कर दें। प्रति हेक्टेअर रोपाई के लिए बीज दर 12-15 किग्रा होगी।
- ❖ कद्दूवर्गीय सब्जियों में बोआई के लगभग 25-30 दिन बाद पौधों के बढ़वार के समय प्रति हेक्टेयर 15-20 किग्रा नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग करे।

❖ खरीफ की भिन्डी तथा अरवी की बोआई पूरी कर ले।

फलोत्पादन

❖ आम, अमरूद, लीची, आँवला, कटहल, नींबू, जामुन, बेर, केला तथा पपीता के नये बाग लगाने का समय है।

❖ आम व लीची में रेडरस्ट तथा शूटी मोल्ड रोग की रोकथाम के लिए कापर आक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डबलू.पी. 0.3 प्रतिशत (3 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोलकर) का छिड़काव करे।

❖ लीची में नए पौधो के प्रवर्धन हेतु गूटी बाँधने का कार्य करें।

फूलो की खेती

❖ रजनीगंधा में बरसात के समय आवश्यकतानुसार सिचाई एवं निराई –गुड़ाई करे तथा पोषक तत्वों के मिश्रण का 15 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करे।

सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री आशीष कुमार सिंह	प्रक्षेत्र प्रबंधक	अनुवाशिकी एवं पादप प्रजनन	**07752941868**
श्री जितेन्द्र कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक (लैब टेक्निशियन)	पौध संरक्षण	**08887725608**
श्री शुभम पाण्डेय	सहायक	-	**08317019891**

सह-सम्पादक मंडल			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 राहुल कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	कृषि प्रसार	**07007275688**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्री संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**

संकलन एवं सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री गौरव कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)	कम्प्यूटर	**07651922058**

सम्पादक
डा0 संदीप कुमार सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)
महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर(उ०प्र०)
Mob no. 09453721026; Email – gorakhpurkvk2@gmail.com
website -http://www.mgkvk.in/